

प्रेषक :-

जिलाधिकारी  
देहरादून।

प्रेष्य,

जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी  
देहरादून।  
अर्थ एवं संख्या (नियोजन दिनांक)

दिनांक - 26/6/09

**विषय :-** वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय व्ययक सं०-12 के आयोजनागत पक्ष में जिला सेक्टर योजना के अन्तर्गत राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय इटारना के निर्माणाधीन भवन के कार्य पूर्ण किया जाना।

महोदय,


शासनादेश संख्या 298/XXVIII (1) 2009-46/2009 दिनांक 13/06/2009 के द्वारा अनुदान संख्या-12 के लेखा शीर्षक 4210 चिकित्सा भवन के स्वरूप पर आगत परिवर्धन आयोजनागत-02 ग्रामीण स्वरूप सहाय 800 रु. के अन्तर्गत जिला योजना 9102-निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण किया जाना मानक मं. 24 वृद्ध निर्माण कार्य का अन्तर्गत रुपये 14.18 लाख की धनराशि अधोहरताक्षरी के निर्देशन पर रखी गयी है। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी देहरादून के पत्र सं० 672/जि०या०-2009-10 दिनांक 25-06-2009 के क्रम में जिला सेक्टर योजना के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में प्रस्तावित योजना के कुल 14.18 लाख धनराशि व्यय किया जाने की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है।

(धनराशि लाख रु. में)

क्र०सं०	कार्य का विवरण	अवमुक्त धनराशि
1.	राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय इटारना के अधूरे निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाना।	14.18
2.	स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय जिला योजना एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित परिवर्धन की सीमान्तर्गत सुनिश्चित किया जाएगा। अनुमोदित परिवर्धन की लागत से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।	

2. इस धनराशि का व्यय केवल जिला नियोजन अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यों के लिये ही किया जाय।
3. उक्त व्यय को करते समय वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों तथा मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाय।
4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (Store Purchase Rules) के वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग 2 आय व्यय सम्बन्धित नियम (बजट मैनुअल तथा अन्य सुसंगत नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय)
5. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रमास के आधार पर उपलब्ध कराई जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
6. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य रखाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
7. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है। साथ ही किसी भी प्रकार मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा।
8. धनराशि का आहरण/व्यय एक मुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
9. अनुरक्षण सम्बन्धी कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित अनुमोदित दरों पर ही आगणन के अनुसार कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
10. स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग करके इसकी वित्तीय/भौतिक प्रगति व उपयोगिता प्रमाण पत्र अर्थात् एवं सख्याधिकारी देहरादून को प्रस्तुत करें, ताकि सूचना शासन को प्रेषित की जा सके।

11. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान सं० 012 आयोजनागत, 4210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पूंजीगत परिव्यय 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ 800-अन्य व्यय, 91 जिला योजना 9102 यूनानी चिकित्सालयों के निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण किया जाना मानक मदों के नाम डाला जायेगा।
12. यह स्वीकृतियों शासन के द्वारा जारी शासनादेश सं०-XXVIII (1) 2009 दिनांक 17 अप्रैल 2009 के क्रम में जारी की गयी है।

  
जिलाधिकारी  
देहरादून

647  
संख्या/जिलाया०/आयुर्वेदिक/2009-10/तददिनांक

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालक्ष्मीनगर उत्तराखण्ड देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
3. वरिष्ठ कायाधिकारी देहरादून।
4. सचिव चिकित्सा शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
5. निदेशक आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवाएँ उत्तराखण्ड देहरादून।
6. स्टाफ ऑफिसर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2 राज्य योजना आयोग/बजट सेल शासन।
8. सचिव, नियोजन उत्तराखण्ड।
9. संयुक्त निदेशक, अर्थ एवं संख्या पौड़ी।
10. निजी सचिव, माननीय प्रभारी मंत्री, जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति देहरादून का माननीय प्रभारी मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
11. जिला सूचना अधिकारी, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग देहरादून।
12. जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एन०आई०सी० देहरादून।
13. निदेशक अर्थ एवं संख्या उत्तराखण्ड देहरादून।

आज्ञा से  
(अर्थ एवं संख्याधिकारी)  
देहरादून  
